

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
प्रेस विज्ञप्ति

भाविप्रा द्वारा एलिमको (ALIMCO) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 2018_: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने 31 जुलाई, 2018 को भारत के कृत्रिम अंग विनिर्माण निगम (एलीआईएमसीओ) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 13.41 करोड़ रुपये की लागत से भाविप्रा की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत 200 बधिर बच्चों की कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी आयोजित की गई।

श्री अनुज अग्रवाल, सदस्य (मानव संसाधन) और भाविप्रा के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में भाविप्रा मुख्यालय, राजीव गांधी भवन, नई दिल्ली में श्री संजीव जिंदल, महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग और सीएसआर), भाविप्रा और श्री डी आर सरिन, सीएमडी, अलीमको द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह भाविप्रा की एक प्रमुख सीएसआर पहल है जो बच्चों को उनकी श्रवण विकलांगता को पूरी तरह से दूर करने में मदद करेगी, जिससे उन्हें सुसंगत रूप से सुनने और बोलने में मदद मिलेगी। भाविप्रा ने सीएसआर पहल के तहत पिछले साल 115 कोक्लियर इम्प्लांट्स सर्जरी को प्रायोजित किया है। पूर्व में प्राप्त अत्याधिक प्रतिक्रिया और सफल परिणामों के मद्देनजर, भाविप्रा ने इस वर्ष बच्चों की संख्या को दोगुना करने का फैसला लिया है। गरीब परिवारों से जुड़े 200 बधिर विकलांग बच्चों को इस पहल का लाभ मिलेगा तथा वे सामान्य एवं उत्पादक जीवन जीने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र होंगे। इस प्रयास से न केवल इन वंचित बच्चों को मुख्यधारा के समाज में लाया जाएगा बल्कि उन्हें एक उत्पादक कार्यबल बनाकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की ओर भी योगदान मिलेगा।

कोक्लियर इम्प्लांट एक कृत्रिम उपकरण है जो मस्तिष्क के कोकलिया के अंदर, शल्य चिकित्सा से लगाया जाता है जो गंभीर श्रवण हीनता वाले बच्चों के लिए लाभदायक है। श्रवण हीनता के साथ 12 महीने से 6 वर्ष की उम्र के स्तर के बीच के बच्चे कोक्लियर इम्प्लांट के लिए पात्र हैं। इस समझौता ज्ञापन के तहत, भाविप्रा एलिमको के माध्यम से 200 बधिर बच्चों के लिए कोक्लियर इम्प्लांट्स सर्जरी को प्रायोजित करेगा। एक अनुमान के अनुसार भारत में सालाना 10,000 से अधिक बच्चे जन्मजात बधिर पैदा होते हैं और जिनके लिए कोक्लियर इम्प्लांट की आवश्यकता होती है।

भाविप्रा सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगा और सतत विकास के लिए वंचित समुदायों के जीवन में विकास करते हुए परिवर्तन लाएगा।



श्री अनुज अग्रवाल, सदस्य (मानव संसाधन), भाविप्रा तथा श्री डी आर सरिन, एएमआईसीओ के सीएमडी 200 बधिर बच्चों के लिए इम्प्लांट सर्जरी के लिए भाविप्रा तथा अलीमको के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के दौरान